HCV-001-001303 Seat No. _____

B. A. (Sem. III) (CBCS) Examination

October / November – 2017

Hindi : Paper-V

(छायावादी काव्य वैभव)

(Core) (Old Course)

Faculty Code : 001
Subject Code : 001303

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

१ 'बीती विभावरी जाग री' काव्य का केन्द्रीय – भाव स्पष्ट कीजिए । १४

अथवा

१ 'हिमाद्री तुंग श्रृंग से' काव्य में व्यक्त भाव – सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए । १४

२ 'भारत देश' कविता में व्यक्त राष्ट्र भावना और प्रकृति – चित्रण पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

२ 'प्रथम रश्मि' काव्य में व्यक्त भाव – जगत को स्पष्ट कीजिए । १४

३ 'ताज' कविता में व्यक्त यथार्थवाद को स्पष्ट कीजिए । १४

अथवा

३ 'भारतमाता' कविता का केन्द्रीय – भाव अपने शब्दों में लिखिए । १४

४ 'जागो फिर एक बार' कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए । १४

अथवा

४ 'तोड़ती पत्थर' काव्य का भाव–सौन्दर्य वर्णित कीजिए । १४

५ किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : १४

(१) भिक्षुक काव्य में प्रगतिवादी विचार ।

(२) 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' कविता का भावार्थ ।

(३) 'मधुर–मधुर मेरे दीपक जल' का भाव–सौन्दर्य ।

(४) बीन भी हूँ में तुम्हारी रागिनी भी हूँ – कविता में व्यक्त रहस्यवाद ।